ई–बुलेटिन

कृषिउद्यमी

MANAGE

प्रतीयमान अनुभव को बांटने वाला मंच

खंड VI अंक XII

मार्च-2015

प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि

इस अंक में:

- एसी और एबीसी योजना की सफल महिला कृषि उद्यमियाँ
- इस माह के कृषि उद्यमी : श्री. के. पुंडरिकाक्षुडु, तेलंगाना।
- इस माह का संस्थान : पीआरडीआईएस, हैदराबाद, तेलंगाना।
- डॉ. किशोर मथपटी, महाराष्ट्र – कृषि उद्यमी जिन्हें "सिंचन प्रशिस्थापत्र-2015" द्वारा सम्मानित किया गया।

कृषिउद्यमी की मुफ्त हेल्पलाइन का उपयोग करें

1800 –425-1556

" कृषि उद्यमिता एक ऐसा प्रतीयमान मंच है जहां कृषि उद्यमियों, बैंकरों, कृषि व्यवसाय कंपनियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थ. ानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, शि क्षाशास्त्रियों, अनुसंधानकर्ताओं तथा कृषि व्यवसाय चिंतकों, जो देश में कृषि उद्यमिता विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, के अनुभवों को सबके साथ बांटा जाता है।

'महिलाओं को सशक्त बनाना समाज को सशक्त बनाने के समान है'। :एसी और एबीसी योजना की सफल महिला कृषि उद्यमियाँ

विश्वभर में 8 मार्च 2015 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (आईडबल्यूडी) मनाया गया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का इस वर्ष का विषय है 'मेक इट हप्पेन'। उनके अतीत के संघर्षों और उपलब्धियों को देखते हुये, यह दिन राष्ट्रीय, जातीय, भाषाई, सांस्कृतिक, आर्थिक या राजनीतिक क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मान देने का दिन है। मैनेज हैदराबाद भारत में ऐग्री-क्लीनिक और ऐग्री-व्यवसाय केंद्र योजना के कार्यान्वयन की एजेंसी होने के कारण, कुल 2,952 महिला कृषि व्यवसायी प्रशिक्षित किए गए थे, जिसमे से 851 ने ग्रामीण क्षेत्रों में सफलतापूर्वक ऐग्री-वैंचर स्थापित किए हैं। मैनेज ने प्रतिदर्श के रूप में नीचे दिये गए 9 ऐसी सफल महिला कृषि उद्यमियों को उनके हौसले, उद्यमवृत्ति, नवपरिवर्तन, और कृषि समुदाय के लिए समर्पण के लिए उदाहरण के रूप में याद किया।

महिला कृषि उद्यमी	ऐग्रीवेंचर
श्रीमति संगीता सवालखे	विदर्भा बायोटेक लेब, महाराष्ट्र
श्रीमति एम. सरिता रेड्डी	नवरत्न क्रॉप साइन्स लिमिटेड, तेलंगाना
श्रीमति कविता जाधव	श्री. दत्ता ऐग्री शॉपिंग मॉल, एमएस
श्रीमति सुमन कुमारी	सुमि ऐग्रो फार्म प्रॉडक्ट, हरयाणा
सुश्री. जे उमामहेश्वरी	रिच मसाला, तमिलनाडू
श्रीमति मंडा निमासे	सह्याद्रि नर्सरी, महाराष्ट्र
श्रीमति एस. सेल्लापोन्नी	नोबल ऐग्री-क्लीनिक, तमिलनाडू
श्रीमति गीतशोरी यूमनम	ग्रीन बायोटेक, मणिपुर
श्रीमति सी. तरुण बाला	चिंगङ्ग्बम सिल्क यूनिट, मणिपुर

राष्ट्रीय कृषि प्रबंधन विस्तार संस्थान,

कृषि सहयोग और कृषि किसान कल्याण मंत्रालय

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक

लागत कम करने और मुनाफा बढ़ाने हेतु सटीक उर्वरक वितरक

: श्री. के. पुंडरिकाक्षुडु

श्री. के. पुंडरिकाक्षुडु (59) कृषिविज्ञानी, हैदराबाद, तेलंगाना के निवासी का कहना है कि, "मैं एक प्रैक्टिसिंग कृषिविज्ञानी हूँ और मुझे 25 वर्षों का कृषि परामर्श में अनुभव भी है। **इनका मुख्य कार्य है अधिक उपज के लिए कृषकों को कृषि प्रणाली में परिदृश्य सुविधाओं को मिला कर परंपरागत खेती को सटीक खेती में परिवर्तित करने तथा अधिक आय प्राप्त करने के लिए संबन्धित ऐग्रीवैंचर स्थापित करने हेतु परामर्श प्रदान करना।** उनके दौरे के दौरान, उन्होंने देखा की अच्छी फसल पाने के लिए मिट्टी की उर्वरता की परवाह किए बिना किसान अंधाधुंध तरीके से उर्वरक और सिंचाई का प्रयोग कर रहे थे। एक कृषि विज्ञानी होने के कारण उन्हें सही मात्र में पोशाक तत्वों का सही जगह और सही समय पर प्रयोग के विषय में ज्ञान था जो फसल, मिट्टी और भूमिगत जल की सहायता करता और इस तरह पूरी फसल प्रक्रिया के लिए सहायक होता। हालाँकि, उर्वरकों का अधिक प्रयोग मिट्टी, ओस्मोटिक प्रैशर, सुचालकता, जल धारण क्षमता को खराब करता है और शुक्ष्म जीवों के प्रजनन पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इस चिंता ने उन्हें ऐसी तकनीक खोजने की प्रेरणा दी जो उर्वरक की मात्र का नियमन कर सके। श्री. पुंडरिकाक्षुडु अपने सपने को साकार करने में लग गए। एक विशिष्ट उर्वरक वितरक जो समान मात्र में उर्वरकों को फैला सके तथा लागत को कम करे और उत्पादन बढ़ाए, ऐसे वितरक को बनाने में तीन साल लग गए। तकनीक हाथ में थी लेकिन विपणन एक बड़ी समस्या थी। श्री. पुंडरिकाक्षुडु प्रोद्योगिकीविद थे परंतु विपणन और बिक्री कौशल की उनमे कमी थी। इस स्तर पर उन्हें स्थानीय समाचार पत्र द्वारा एसी और एबीसी योजना के बारे में पता चला। उन्होंने पार्टीसीपेटरी रुरल डेव्लपमेंट इनिश्यटिव, हैदराबाद से संपर्क किया और प्रशिक्षण कार्यक्रम से जुड़ गए। प्रशिक्षण के दौरान, उन्होंने रेकॉर्ड बनाना, बाजार सर्वेक्षण, परियोजना तैयार करना और विपणन ऋणनीतियाँ सीखी। प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक समाप्ती के पश्चात, उन्होंने मुख्यतः कृषि मशीनों के विपणन और परामर्श के लिए पृथक फ़र्म 'ऐग्रीमेटिक' नाम से पंजीकृत किया। यह उर्वरक वितरक तेलंगाना के धान, भुटा, और मिर्ची की उपज वाले क्षेत्रों के किसानों में लोकप्रिय बन गया। उन्होंने प्रणाली प्रदर्शन द्वारा उर्वरक की मात्रा और लागत में 33% की बचत बता कर वितरक को लोकप्रिय बनाया। बहुत ही कम समय में, उन्होंने तेलंगाना और आंध्रप्रदेश के राज्यों के 500 गाँवों तक इस वितरक को फैला दिया। लगभग 1000 कृषक उर्वरक और कीटनाशक के प्रयोग के लिए उर्वरक और कीटनाशक वितरक का प्रयोग कर रहे हैं।

ऐग्रीमेटिक फ़र्म का कारोबार प्रति वर्ष 1 करोड़ है और इस फ़र्म ने विज्ञान और प्रबंधन क्षेत्र से 20 अनुभवी व्यक्तियों को नियुक्त किया है। श्री. पुंडरिकाक्षुडु का कहना है कि सटीक कृषि सटीक कृषि उपकरणों की उपलब्धता पर निर्भर है। उर्वरक बचाने, लागत को कम करने और पर्यावरण को बचाने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए वितरक को तैयार किया गया था और विभिन्न फसलों के खेतों में इसका प्रयोग किया गया था। नकल करने से बचाने और पहचान बनाए रखने के लिए उन्होंने इस वितरक के लिए पेटेंट का आवेदन किया था। श्री.पुंडरिकाक्षुडु का अपने साथी कृषि उद्यमियों से कहना है कि, "आविष्कार द्वारा नया धन बनाए"।

उर्वरक वितरक और कीटनाशक दानेदार वितरक के विनिर्देश

- यह उपकरण गुरुत्वाकर्षण द्वारा कार्य करता है और यूजर फ्रेंडली है
- ट्रीग्गेरिंग प्रक्रिया
- प्रति शॉट में 0.5 से 10 ग्राम का रिसाव होता है
- जड़ों में स्पॉट या बैंड की तरह लगाना
- 13 किलोग्राम की बैगपैक टैंक क्षमता
- वितरक का वज़न 2.4 किलोग्राम है
- जड़ों में उर्वरक डालने से 33% उर्वरक का बचाव होता है, जिसकी लागत 3000/- पड़ती है

श्री.कुर्रा पुंडरिकाक्षुडु

ऐग्रीमेटिक, श्री.सीतारामा नीलायम, #8-2-293/82/5, जवाहर कॉलोनी, रोड सं.5, जूबली हिल्स, हैदराबाद – 500 033, तेलंगाना राज्य, फोन.040-2360-8949 (0), मोबाइल: 98490-34565, ईमेल आई.डी: heritageh@gmail.com, agrimatic@gmail.com, वेबसाइट: agrimatic.in

कृषि उद्यमियों में उद्यम वृत्ति कौशल बढ़ाने के लिए भागीदारी, साझेदारी और सशक्तिकरण पीआरडीआईएस, हैदराबाद का मंत्र है

डॉ. एस. जयराम रेड्डी,
नोडल अधिकारी

पार्टिसपटॉरी रुरल डेव्लपमेंट इनिश्यटिव सोसाइटी (पीआरडीआईएस), एक राष्ट्रीय स्तरीय विकास संगठन है, एक एनजीओ, जो हैदराबाद में 1999 में स्थापित किया गया था। ऐग्रो आधारित उद्योगों, खेतों की गतिविधियों पर इंटरनेशनल डेव्लपमेंट एजेन्सीस को परामर्श सेवाएँ प्रदान करने, क्षेत्र अध्ययन पर निगरानी रखना और उसका मूल्यांकन, आधार-रेखा सर्वेक्षण और क्षमता बढ़ाने के अलावा स्थायी कृषि, कृषि व्यवसाय, ग्रामीण विकास और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन पीआरआईडीएस की मुख्य गतिविधियां हैं। पीआरडीआईएस, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, का राष्ट्रीय स्तरीय निरक्षक (एनएलएम) है और इसे क़बायली इलाकों में छोटे और सीमांत किसानों में स्थायी कृषि को बढ़ावा देने के उत्कृष्ठ कार्य के लिए 15 अगस्त 2006 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा स्मृति चिन्ह प्राप्त करने का गौरव प्राप्त है। इस संस्थान को आम लोगों की प्रतिभागिता द्वारा जैव-विविधता और पर्यावरण पर जनता में जागरूकता फैलाने के लिए आंध्राप्रदेश जैव-विविधता बोर्ड, हैदराबाद द्वारा सम्मानित किया गया।

ऐग्री-क्लीनिक और ऐग्री-व्यवसाय केंद्र प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ साहचर्य

अब तक पीआरआईडीएस द्वारा 24 प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये गए है और कुल 728 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है जिसमे से 311 ने ऐग्री-क्लीनिक, कृषि-व्यवसाय केंद्र, डेयरी, निवेश डीलरशिप, बागबानी क्लीनिक, कुक्कड पालन, पुष्पकृषि, भूदृश्य निर्माण और नर्सरी प्रबंधन, बीज प्रक्रमण एकक, जैव उर्वरक उत्पादन, कृषि मशीनरी जैसे क्षेत्रों में सफलतापूर्वक ऐग्री-वैंचर स्थापित किए हैं। सफलता का दर 42.72% है।

एसी और एबीसी के प्रसार के लिए संस्थान की उत्तम पद्धतियाँ:

- प्रशिक्षुओं की ताकत और कमजोरी पहचानने के लिए पूर्व-मूल्यांकन और बाद में मूल्यांकन के सत्र आयोजित करना।
- प्रशिक्षुओं के लिए डीपीआर बनाने और प्रशिक्षण की अवधि में पूर्ण उपस्थिती के लिए अवार्ड और रिवार्ड का प्रावधान।
- एसी और एबीसी योजना के कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाने के लिए बैंकरों, नाबार्ड और अन्य स्टेकहोल्डरों के लिए कार्यशालाएं आयोजित करना, बैंकों के पास लंबित प्रस्तावों का पुनरीक्षण करना और ऋण के लिए परियोजना प्रस्तावों को प्रस्तुत करने की प्रक्रिया का पुनर्मूल्यांकन करना।
- कृषि व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिए बिजनेस लाइसेन्स प्राप्त करने तथा नए व्यापार प्रारम्भ करने हेतु प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं को पूरा करने में कृषि उद्यमियों को नियमित रूप से समर्थन देना।
- प्रगति और कठिनाईओं पर चर्चा करने के लिए स्कैप और फोन द्वारा कृषि उद्यमियों से जुड़ना।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में प्रदर्शनी और कार्यशालों में भाग लेने के लिए कृषि उद्यमियों को प्रोत्साहित करना।
- कृषि उद्यमियों की सफल कहानियों का "ऐग्रीप्रेनेउर न्यू", एक न्यूज़ लेटर में तिमाही प्रकाशन।
- कृषि उद्यमवृत्ति कौशल बढ़ाने और व्यवसाय का विस्तार करने के लिए कृषि उद्यमियों को पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए सुविधा प्रदान करना।

आईआईटीएफ़-2013 में कृषि उद्यमी आगंतुकों से बात-चित करते हुये।

पार्टिसपटॉरी रुरल डेव्लपमेंट इनिश्यटिव सोसाइटी (पीआरडीआईएस),
प्लाट न. २३० शिवनगर कॉलोनी अत्तापुर, हैदेरागुड़ा हैदराबाद तेलंगाना
फ़ोन : O) 040-24010544 मोबाइल : 9985723893 , इ-मेल : prdis@hotmail.com

डॉ. किशोर मथपति, कृषि उद्यमी को 16 वीं महाराष्ट्र सिंचाई परिषद में "सिंचन प्रशिस्थपत्र-2015 द्वारा

महाराष्ट्र सिंचाई सहकारी समिति और अभिनव क्लब पुणे की सहभागिता में महाराष्ट्र सिंचाई परिषद का 16 वां संस्करण 7 और 8 मार्च, 2015 को नेरे ग्राम, मुलशी तालुका, पुणे जिले में आयोजित किया गया। उदघाटन समारोह में, श्री. विजय शिवातरे, माननीय मंत्री सिंचाई संसाधन, महाराष्ट्र सरकार ने इस धारणा को दूर किया कि जल संसाधनों को सुरक्षित और स्थायी बनाने के लिए सिंचाई प्रणाली की पारंपरिक पद्धति में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे। इस आयोजन के दौरान, डॉ. किशोर मथपति, एक कृषि उद्यमी को स्वदेशी गाय की नस्ल 'गिर' के संरक्षण की दिशा में उनके आंदोलन को पहचान देने के लिए "सिंचन प्रशिस्थपत्र-2015 से सम्मानित किया गया। डेयरी प्रबंधन के लिए वैज्ञानिक तरीके से 'टोटा मुक्ता गोथा' अर्थात 'नुकसान रहित गौशाला' नाम से बने मॉड्यूल को प्रत्यायन प्राप्त हुआ जहां पद्धतियाँ जैसे गौशाला प्रबंधन, स्वदेशी नस्ल का चुनाव, स्वच्छ दुग्ध उत्पादन, समय पर टिकाकरण आदि के साथ गाय को बिना गाढ़ा आहार दिये दुग्ध स्त्रवन अवधि को 3-5 वर्ष तक बढ़ाने के लिए आहार और चारा प्रबंधन पद्धति पर ध्यान दिया जाता है। अधिक सूचना के लिए, डॉ. किशोर मथपति, कृष्णा दुग्धा प्रशिक्षण व संशोधन केंद्र, फलटन, सतारा जिला, महाराष्ट्र, मोबाइल सं.09421615847 पर संपर्क करें।

डॉ. किशोर मथपति, कृषि उद्यमी "सिंचन प्रशिस्थपत्र-2015" द्वारा सम्मानित

www.agriclinics.net वह पोर्टल है जो एसी तथा एबीसी योजना के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल पात्रता मानदंडों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सहायता कार्यों, वित्त विकल्पों तथा भावी उद्यमियों को सब्सिडी प्रदान करने के संबंध में अद्यतन जानकारी देता है।यह वेबसाइट स्थापित कृषि नव उद्यमों, लंबित परियोजनाओं, संबंधित योजनाओं के ब्यौरों से संबंधित सूचना तथा राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, बैंकों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा कृषि उद्यमियों के लिए उपयोगी अन्य सूचना भी प्रदान करती है।

एग्री क्लीनिकों तथा एग्रीबिजनेस केंद्रों के संबंध में अधिक स्पष्टीकरण के लिए कृपया इस पते पर मेल करें। indianagripreneur@manage.gov.in

"प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि"

"कृषिउद्यमी" श्री के सत्यगोपाल, आईएएस, महानिदेशक (मैनेज)
द्वारा प्रकाशित

हमसे संपर्क करें:
कृषि उद्यमिता विकास केंद्र, (सीएडी)
कृषि विस्तार प्रबंधन के राष्ट्रिय संस्थान (मैनेज)
(मैनेज), राजेंद्रनगर, हैदराबाद, पिन-500 030, भारत
ई-मेल: indianagripreneur@manage.gov.in
वेबसाइट: www.agriclinics.net
कृषि उद्यमी का टोल फ्री हेल्पलाइन नं: 1800 425 1556
ई मेल: helplinecad@manage.gov.in

प्रमुख संपादक :डॉ.के.सत्यगोपाल, आईएएस
संपादक :डॉ. पी चन्द्रशेखर
सहयाक संपादक : : डॉ. लक्ष्मीमूर्ति
:सुश्री ज्योति सहारे
हिन्दी अनुवाद :डॉ. के. श्रीवल्ली